भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल माह मई, 2013

मेषः– चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

रक्तचाप, ज्वर आदि से शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। विवादित कार्यों मे अपने आप को बचाये रखना हितकर सिद्ध होगा। परिवार मे मांगलिक कार्य सम्पन्न होने का पूर्ण योग है। आडम्बर विहीन धार्मिक आस्था के पक्षधर होंगे। जीवन साथी से बातचीत के दौरान सतर्क रहकर पारिवारिक जीवन संभाल सकते हैं। चोट–चपेट से सजग रहें। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 6 उत्तम है। अरिष्ट निवारण के लिये कुयें के पानी से नित्यदांत साफ करना हितकर होगा।

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति – 01 मई

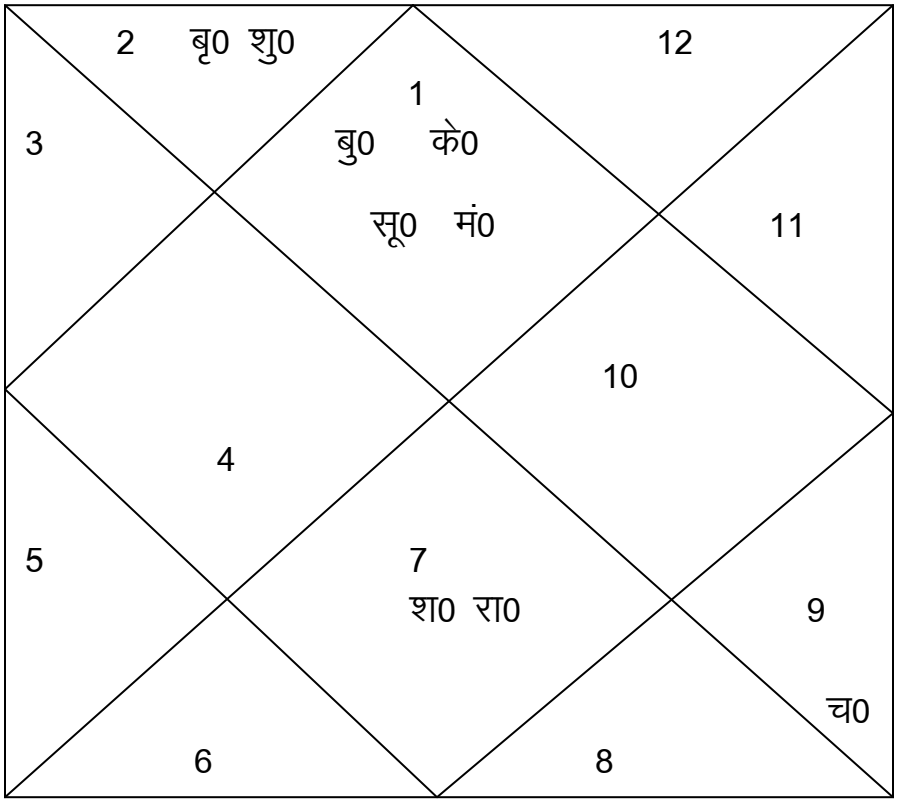

वृषः– ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

भोजन व्यवस्था को विस्तार रुप देने मे सफल सिद्ध होंगे। पेय पदार्थों का अधिकाधिक सेवन आप द्वारा हो सकता है। भोग, विलास के सुअवसर भी उपलब्ध रहेंगे। अति आवश्यक सामग्री की खरीद–फरोख्त पर व्यय भार के अतिरिक्त श्रोतों का निर्धारण होगा। कैरियर से जुड़े क्रिया–कलापों से आंशिक लाभ की स्थिति बनती प्रतीत होगी। माह के प्रथम सप्ताह मे आर्थिक लाभ सम्बन्धी मामलो मे प्रगति होगी। दौड़धूप की अधिकता शारीरिक कष्ट का वातावरण स्थापित करेगी। ईश्वर अराधना मे उदासीनता रहेगी। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 10, 11, 12 शुभ है। अरिष्ट निवारण के लिये सदैव, श्वेत वस्त्र, स्वच्छ वस्त्र, इत्र का प्रयोग करें लाभ मिलेगा।

मिथुनः– का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा

जीवन संगिनी के साथ मधुरतम पलों का बेहतर सदुपयोग होगा। घर ग्रहस्थी की गाड़ी बेहतर ढंग से चलेगी। सप्ताह की शुरुआत छोटी कार्य योजनाओं के लिये हितकर है। न्याय और अन्याय के मध्य न्याय पक्ष के ही मानसिक रुप से पक्षधर रहेंगे। विधिक सेवाओं के मामले सरलता से सुलझ सकते हैं। स्त्रीपक्ष से जुड़ी सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री की खरीद फरोख्त की संभावना है। रचनात्मक कार्य करने की आपकी मानसिकता सामाजिक सुख्याति का वातावरण बनायेगी। माह का दूसरा सप्ताह आजीविका सम्बन्धी मामलो मे प्रगति पथ निर्धारित करेंगे। कैरियर सम्बन्धी कार्य अल्प लाभ के साथ सम्पन्न होंगे। तारीख 5, 6, 7, 8, 9, 12, 13, 14 प्रगति कारक है। अरिष्ट निवारण के लिये बुध से सम्बन्धित किसी भी वस्तु को मुफ्त मे न लें।

कर्कः– ही, हू, हे, डा, डी, डू, डे, डो, हो

प्रबल धार्मिकता का वातावरण जाग्रत रहेगा। आर्थिक लाभ सम्बन्धी कार्य योजनाओं को नवीन दिशा देने के प्रयासों को बल मिलेगा। धनागम के विभिन्न श्रोत भी उत्पन्न हो सकते हैं। माता–पिता, अभिभावक गणों का स्वास्थ्य मानसिक पेरशानी बढ़ाने वाला सिद्ध होगा। रोजी, रोजगार की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक परिणाम की ओर अग्रसर होंगे। अग्रज वर्ग से आश्चर्यजनक रुप से सहयोग प्राप्त होता रहेगा। उच्च डिग्री से जुड़ी हुयी गतिविधियां सरलता के साथ सम्पन्न होंगी। तारीख 8, 9, 10, 11, 12, 15, 16, 17 प्रगतिकारक सिद्ध होंगी। अरिष्ट निवारण के लिये 11 सोमवार को 09 कन्याओं को खीर खिलाना हितकर रहेगा।

सिंहः– मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

हास–परिहास, मनोरंजक मामलो मे धीरे–धीरे कमी प्रतीत होगी। संतान पक्ष का स्वास्थ्य मनः स्थिति को प्रभावित करेगा। शेयर मार्केट, सट्टा बाजार मे अभी पूंजी निवेश अहितकर सिद्ध हो सकता है। धार्मिकता अधार्मिकता पथ की ओर अग्रसर हो सकती है। माह के प्रथम सप्ताह मे विरोधियों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने के प्रयासों को बल मिलेगा। लौह व्यापार से सम्बन्धित कार्य–कलापों मे उन्नतिशील स्थितियां आयेंगी। माह का तीसरा सप्ताह राजकीय कार्यों के लिये बेहतर है। लाभकारक कार्य योजनाओं की दिशा निर्धारित हो सकती है। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 10, 11, 12 उन्नतिकारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये तांबे के लोटे मे जल, गुड़, शहद चीनी मिलाकर दिन भर पीते रहे लाभ मिलेगा।

कन्याः– टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

ईश्वर अराधना मे पूर्ण रुपेण आस्था प्रतीत होगी। यात्रा के दौरान सतर्क होकर सुरक्षित यात्रा करना हितकर होगा। अनायास किसी चिरपरिचत मित्र से मुलाकात होगी। राजनैतिक लोगों से आपका बढ़ता हुआ जनसम्पर्क सामाजिक ख्याति का वातावरण बनायेगा। आपकी वाचालता, वाकपटुता की ही तरह धन व्यय के अतिरिक्त श्रोतों का निर्धारण होगा। माह के दूसरे सप्ताह मे व्यापारिक संसाधनो की वृद्धि के सुअवसर आयेंगे। जीवन संगिनी से तीखी बातचीत का सामना करना पड़ सकता है। माह के तीसरे सप्ताह मे आजीविका सम्बन्धित कार्यों की रुपरेखा निर्धारित होगी। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 12, 13, 14 प्रगति सूचक है। अरिष्ट निवारण के लिये सूर्योदय के आरम्भ के 01 घन्टे मे कुछ न खाना राहतकारक होगा।

तुलाः– रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

ग्रहस्थ आश्रम के घमासान को रोक पाना कठिन प्रतीत होगा। किसी धार्मिक, अध्यात्मिक विषय पर गम्भीर शोध सम्बन्धी कार्यों मे संलग्नता लाभ मार्ग की ओर अग्रसर कर सकती है। व्यापारिक कामकाज मे सही और गलत की समीक्षा कर पूंजी लगाये तभी बेहतर परिणाम की उम्मीद करें। अनायास किसी चिरपरिचित मित्र से मुलाकात होगी। महिला मित्र मन्डली की सहयोगी भावना के कारण शिक्षा की दिशा मे प्रगति सूत्र स्थापित होंगे। माह के द्वितीय सप्ताह मे आपकी राशि पर अधियोग का निर्माण हो रहा है अतः लम्बित प्रकरणों को बेहतरीन दिशा मिल सकती है। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। तारीख 5, 6, 7, 8, 15, 16, 17 उत्तम सूचक है। अरिष्ट निवारण के लिये श्वेत घोड़े का खिलौना छोटी कन्याओं को दान करना उत्तम होगा।

वृश्चिकः– तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

ग्रहिणी के साथ दाम्पत्य जीवन के अनुभव बेहद सुखद प्रतीत होंगे। खान–पान की बेहतर व्यवस्था के चलते पेट की बीमारियां, कब्ज आदि के शिकार हो सकते हैं। धर्म, साहित्य, तरल पदार्थ से जुड़े व्यापार मे प्रगतिशील स्थितियां निर्मित होंगी। अधिक वार्तालाप के समय पर संयमित वाणी का प्रयोग हितकर सिद्ध होगा। माह के प्रथम सप्ताह मे कुटुम्ब के सदस्यों के साथ मतभेद की स्थिति आ सकती है। द्वितीय सप्ताह मे विपक्षियों पर दबाव बनाने मे कामयाब होंगे। व्यापारिक कार्यों मे प्रगति सूत्र स्थापित होंगे। लाभदायक यात्रा भी संभावित है। तारीख 1, 2, 3, 7, 8, 9, 10, 11 उन्नति कारक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ हं हनुमते नमः मन्त्र का जप 108 बार करने से लाभ प्राप्त होगा।

धनुः– ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ़, भे

माह की शुरुआत मे भोजन व्यवस्था विस्तार रुप ले सकती है। गर्मी के बदलते मिजाज के कारण शारीरिक कष्ट की स्थिति आयेगी। कैरियर की दिशा मे लाभ मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगे। शनि जी आपकी राशि मे राहु के साथ लाभ स्थान मे हैं यह किसी बड़ी प्रापर्टी सम्बन्धी लाभ की ओर अग्रसर करेंगे। विरोधियों की संख्या मे भारी वृद्धि मानसिक अशान्ति की सूचक है। माह का दूसरा सप्ताह लेखन, शिक्षा आदि के लिये बेहतर सिद्ध होगा। संतान पक्ष चोट, चपेट, रक्तचाप आदि के शिकार हो सकते हैं। राज्याधिकारियों के प्रति मानसिक असंतोष गहरायेगा। तारीख 3, 4, 5, 10, 11, 12, 13, 14, 15 उत्तम सूचक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये, मीठे चावल तीन बृहस्पतिवार को किसी धर्मस्थल पर दान करें लाभ होगा।

मकरः— भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

अधिकाधिक भागदौड़ के प्रसंग शारीरिक एवं मानसिक कष्ट की पुष्टि करते हैं। किसी धार्मिक, रमणीक, पर्यटन स्थल की परिक्रमा होगी। संतान पक्ष के उत्तरदायित्वों के प्रति जागरुक रहेंगे। लेखन के क्षेत्र मे आपका कैरियर लम्बी छलांग लगा सकता है। संगीत, धर्म आदि से जुड़े हुये मामलो मे प्रगति पथ निर्धारित होंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम भी सकारात्मक दिशा की ओर परिवर्तित होंगे। माह का पहला सप्ताह व्यय भार की अधिकता वाला प्रतीत होगा। दूसरे सप्ताह मे शिक्षा तथा जीविका सम्बन्धी मामलो मे लाभ रहेगा। प्रापर्टी सम्बन्धी मामलो मे विवाद का भय बना रहेगा। तारीख 1, 2, 3, 5, 6, 7, 13, 14 शुभकारक है। अरिष्ट निवारण कि लिये भैरो मंदिर मे शराब अर्पित करें बेहतर रहेगा।

कुम्भः— गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

न्याय एवं विधि के क्षेत्र मे प्रगति सूत्र स्थापित होंगे। जोखिमपूर्ण निर्णय लेने की मानसिकता मन से बाहर आ सकती है। ठंडे बस्ते मे पड़ी धनागम सम्बन्धी योजनायें विस्तार रुप लेंगी। भगवान शिव की अराधना आपको बेहद रुचिकर प्रतीत होगी। घर ग्रहस्थी के प्रति उदासीन व्यवहार उचित नही होगा। मातृपक्ष से आपेक्षित सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। व्यवसायिक यात्रा से सीमित लाभ की उम्मीद करना बेहतर होगा। तारीख 3, 4, 5, 7, 8, 9, 16, 17 प्रगति कारक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये श्रीमदभागवत के नल चरित्र का पाठ करना हितकर होगा।

मीनः– दी, दू, थ, झ, अ, दे, दो, चा, ची

पारिवारिक सदस्यों से मतभेद की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। वाणी मे कठोरता की समाविष्टि स्वयं को प्रतीत होगी। धनागम सम्बन्धी कार्ययोजनाओं मे विध्न बाधायें उपस्थित होगी। राजद्वारीय मामलो मे आशानुकूल प्रगति पथ की ओर अग्रसर होंगे। माह के प्रथम सप्ताह मे कैरियर सम्बन्धी कामकाज गतिशील रहेंगे। ईश्वर भक्ति से अपने आपको जोड़कर मानसिक तनाव कम कर सकते हैं। लाभ और खर्च के मध्य का सन्तुलन स्थापित करने मे कठिनाईयां प्रतीत होगी। अनायास निर्णय लेने की प्रवृतियों पर अंकुश लगाये रखना हितकर होगा। तारीख 5, 6, 7, 10, 11, 12, 17, 18, 19 शुभकारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये प्रत्येक पूर्णिमा को भगवान सत्य नारायण की कथा से लाभ प्राप्त होगा।

माह के व्रत पर्व और त्यौहारः–

1. बेताल षष्ठी (जम्मू कश्मीर), श्रमिक दिवस, 01 मई, बुधवार।
2. शीतला अष्टमी, दिन मे 04 बजकर 54 मिनट से पंचक प्रारम्भ, 03 मई, शुक्रवार।
3. वरुथनी एकादशी व्रतम् (स्मार्ता नाम), श्री वल्लभाचार्य जयन्ती, 05 मई, रविवार।
4. वरुथनी एकादशी व्रतम् वैष्णवानाम, 06 मई, सोमवार।
5. सोम प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, रात्रि मे 04 बजकर 31 मिनट पर पंचक समाप्त, 07 मई, मंगलवार।
6. स्नान दान और श्राद्ध की अमावस्या, 09 मई, बृहस्पतिवार।
7. श्री परशुराम जयन्ती तृतीया (प्रदोष व्यापनी), छत्रपति शिवाजी जयन्ती, 12 मई, रविवार।
8. अक्षय तृतीया, कल्यादि तृतीया, त्रेता युगादि तृतीया, 13 मई, सोमवार।
9. श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, वृष राशि मे सूर्य का प्रवेश, 14 मई, मंगलवार।
10. गंगा सप्तमी, श्री गंगोत्पत्ति, 17 मई, शुक्रवार।

11. सीता नवमी, रवियोग सम्पूर्ण दिन, 19 मई, रविवार।
12. मोहिनी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम, 21 मई, मंगलवार।
13. स्नान दान की पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, कर्म जयन्ती, 25 मई, शनिवार।
14. श्री संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रतम्, चन्द्रोदय रात्रि मे 09 बजकर 43 मिनट पर, 28 मई, मंगलवार।
15. श्रात्रि मे 01 बजकर 01 मिनट पर पंचक प्रारम्भ, 30 मई, बृहस्पतिवार।

पंडित आनंद अवस्थी

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां,
रायबरेली डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208
Website- www.aarshjyotish.in, ----E-mail :
panditanandawasthi@aarshjyotish.in